

सन्तुष्टा लोकादयि थडा थाग तात मन्त्रादडा जलयाद सपनंदव मिय खना थडा थो भागिसूर्यपूजा अष्टा
 वृद्धिन जगु धनलनय दनना क्रमा सलुद्धि वपिसि यवना क्रमा वयिगिया यम
 नवना मवनख वचिग नय दामा क्रमा सवचनया दनना गय ममाव ॥ ७ ॥ ए
 वय ॥ थकाय म ॥ थवराग सलुद्धि ववना ^{वन्तरमा मन्त्र जिह्वयो} क्रया कावननाम सिधवा ॥ ८ ॥
 ॥ क्रयव ॥ क्रयया जन वद नमागना ॥ गुमिद्धिना थवचिग सखा कवइयना
 यक चिगइस न ॥ थवमिगुलागुस्य द्वा दया ॥ रायागना ॥ थथया सना ॥ सीखा
 ममव ॥ राग वचन मय दान ॥ खड्डि नका जना सइयिगना ॥ राग वचन मद दान

वि

कावशकाय ॥ व ॥ वाक्यावचनयाहास ॥ काजसिद्धिश्चय ॥ सश्रुममात्र ॥ ६५ ॥
 ॥ १ ॥ अदक ॥ अकारजगथविमयवत् ॥ अगिच्छिनम्यानिजाकस्य ॥ नाविव
 कयवना ॥ नाविवकमग्न ॥ ननायाहन ॥ विववशकारनकाजनासशयुष ॥
 कुरुकावकविमशसन ॥ गिलादिवसन ॥ अकारजयाहन ॥ अगिनवमिसम
 विमनयाहाजयिवव ॥ सत्वकशसन ॥ अथसंपमिश्रयुवष ॥ ८ ॥ अकुरुव
 ॥ कुरुनयुक्तकस ॥ कुरुवसन ॥ मिसवचनना ॥ कुरुविमविकुपेंश्वना ॥ विव

३

नाज

वशलनाचिमदप्रशसन ॥ सयमूमव ॥ अगमात्रकायाहनः ॥ सीमावसनान
 यकाचखा ॥ खवमयुहयि ॥ अमकिविनासदशतिव ॥ सुषसयशसनः ॥ शयु
 शकाथवकर्मनखा ॥ अकारकमथखा ॥ अदशयिवव ॥ ९ ॥ अकुरुद ॥ कुरु
 गधिवमशन्न ॥ नानायकावनयाहाकार्यसविधिश्चयुष ॥ गवकसुदायिव
 ष ॥ समुनन ॥ विवाधविमयवत ॥ अकार्यमसिधना ॥ १० ॥ अकुर्या
 कुरुकहायाथामदग् ॥ मव्यावचननकुकसकश्वना ॥ अमाकमः ॥

की

यहन अयनसक उयकाययाहन सवायाहन थुगियायमन थ
 कग नवप्राकसीजगनन गाकात्रयस सभाषइसन ॥ १४ ॥ वव
 वाजिनसगहाकार्य सिद्धि वृख सभाखइसन मिखाअनंदइयवा
 थवसुविन लययनयाहन देववदाम सहुनजयनयिवस अययुन
 वाम याययनम चित्तपया उथयकायिष सकनकार्यवसिद्धि वृखा
 ॥ १ ॥ वदय ॥ थकार्यस सुवाजा विस्वासमगव छिसहनविषा

७

वयाग अनाचद्याना अकावष अगिच्छिनाइदिससवागगाय दवन
 सहुवा मजलयमयव छुथवजयनस वजनवख यथाइनसिद्धिव
 या ॥ २ ॥ वयद ॥ कसचिग वजमन सनाचाजयलसना निगाद्वहि
 हाखकार्जनाग दायुष थगिनमवकाउ कथिनिख विखमषइहाच
 मजिन वरुसदवगासक रकिइसन थगिनसमककाउसिद्धिवृख
 निचिगइयुष ॥ ३ ॥ वदव ॥ थकार्ज निवागीयाउयदिनाउथीष

२१



विस्वासमवयवत्, तद्वत्तद्वत्, अगिंस्वत्थपिद्वयशुका, विधावचिग
यपिद्वत्, अगिने, यमवविधाधयाहन, सहनासहयिद्वत्॥ काउसि
द्विश्युष, निविगष॥ ४ ॥ दयव॥ यद्वचिगयवयवत्, नकचिगयाहा
न, सकगाकाउव, सिद्धिवृष, अयवयाकसगयाहन, चिगसमगया
हन, उयवाचसव, सगथ्यायाहन, सनसा, हायासयुष, विस्वासवृष
द्वजलमगवष, अवस्य, ऊनयाचमहान, काउसिद्धिवृष, निजि

[illegible]

७

सिद्धि वृत्त ॥ कुसुमादवयवहन ॥ मासकावकुभाजन हन ॥ गाय
 नक्षत्रमा ॥ नामसंज्ञकहन ॥ समुद्रवयावयायमेवा उध्याह्न आकार्य
 व ॥ अथिगउठागेवासायकु कोसाम्नायव ॥ गुप्तिदिनसिद्धनहा
 मानव ॥ नवयाकसदाधिनवा ॥ १३ ॥ वरुण ॥ शुक्राय ॥ हिनक
 खिदु गुवउध्याह्नमम ॥ जानमइव हलमहाथ ॥ नवमदयक काममा
 न ॥ धेवउध्याह्नमम ॥ धगादस्थिकाजय ॥ कुसयकिदायिवय ॥

८

॥ सिद्धि वृत्त ॥ कार्यविवायविगवयवभा ॥ कुशका ॥ यमाम्नाइसन ॥ युनि
 न ॥ दवसवलन ॥ जाकावन ॥ कार्यसिद्धिशयुत्रया ॥ १४ ॥ वरुण ॥ शु
 क्राय ॥ ननानसिद्धिवृष ॥ दधिविगइसन ॥ यवकुर्वकासयक ममय ॥
 गथावाकसन ॥ कुवकसल ॥ विद्विश्व ॥ थवउध्याह्नमम ॥ कार्जय ॥ कु
 नगिष्ट ॥ मागिष्टसवदन ॥ थसकनगाकादवय ॥ थिवविगइसन ॥ सि
 द्धि वृष ॥ १५ ॥ ववय ॥ शुक्रार्जसिद्धिदाम ॥ सगावइसन ॥ सुवृद्धिन ॥

साखलपहन ॥ सिधरहास ॥ थवदिन ॥ वसथा ॥ क्काद पर्य ॥ मायूक
 न ॥ देववनन ॥ वनासत्रययकमरु ॥ कदाचिनथम ॥ मचिगवस ॥ म
 सिधन ॥ १७ ॥ ययय ॥ थकार्य ॥ सखनसिद्धिवृ ॥ क्कादवननासक ॥
 उरुगतिशसन ॥ गथासदसकावा ॥ विद्धिज्ञ ॥ मासेसंपूर्णरुल ॥ थ
 थ ॥ संपुगिज्ञ ॥ सकलसुखयवर्ष ॥ कार्यसिद्धि ॥ ययवृ ॥ १ ॥ यदद ॥
 थकार्य ॥ विखमयाहनम ॥ सुनवदयव ॥ नानावकालन ॥ इववि

॥ १० ॥ ययय ॥ थकार्य ॥ अनथमा ॥ चिनत्रया ॥ क्काद ॥ मिचयवय
 न ॥ ननान ॥ काकागस ॥ यनलविद्व ॥ गाकावन ॥ काकादवया ॥ क्काद
 सिद्धिवृ ॥ ११ ॥ ययय ॥ थकार्य ॥ पुनमव ॥ काथइवन ॥ नकाया
 ठन ॥ म्वाक ॥ पुनयथा ॥ क्काद ॥ मकिरयममव ॥ थवउथठ ॥ वकार्यम ॥ ग
 वडनन ॥ वरुसिद्धिवृ ॥ क्काद ॥ मिद्धिमयव ॥ यनिव ॥ क्काद ॥ गकादठन
 व ॥ थगिनसिद्धिवृ ॥ १२ ॥ ययय ॥ थकार्य ॥ यिगाद ॥ उथ ॥ म

ॐ
ॐ

पदयक मम मका न ॥ नवजगन नु ॥ सिद्धि य ॥ सद रु म मा न ॥ ता कार न ॥
सिद्धि वृष ॥ १३ ॥ य ॥ य ॥ थ कार्य ॥ थ ॥ ख ॥ न ॥ म मा या न ॥ म मि
ध न ॥ ॐ या स रु ष ॥ सिद्धि वृ ॥ न न ॥ थ कार्य ॥ थ ॥ न न य न म ॥ म सि धू
म सि धू थि वि ज्ञा स न ॥ १४ ॥ य ॥ य ॥ थ कार्य ॥ थ ॥ न न वृ वि धि ॥ थ
द्धि न सानि ॥ स क न का क थं य ॥ नि ला स वृ ज न म ॥ रि न क स वि धन
म श व ॥ १५ ॥ य ॥ य ॥ थ कारि न क थ कृ ष ॥ ॐ का स न सान वि व

१२

थ य ॥ थ थि ला का ज ग व न यि द न व ॥ ध र्म स व न न वृ ष ॥ ॐ रु द न ग स
व न न रु ष ॥ यु मि धि न सि धि वृ ष ॥ १६ ॥ द द द ॥ थ कार्य व न म मा
ना ॥ गाय न मा ष ॥ स म रु न सानो ॥ ख व वि ष न य न म ॥ ॐ वि ज्ञा ध वा
न ॥ य वृ ष ना व न ना ॥ ग मा व न न ॥ ख ज य ष ॥ म व कार्य व ॥ सि धि वृ ष
कार्य ष ॥ म न वा षा कार्य ॥ जा य न य थ ॥ रु व ष ज य ॥ क ॥ य न मा षा ष ॥
॥ १ ॥ द य द ॥ ॐ म व व रु य न व ॥ व न न य न य वि वा न सि धि ॥ व वि

ॐ
ॐ

गायकसवृक्षायुषः ॥ कृमिकिदहनः ॥ संख्यामूमात्र ॥ १ ॥ ददय ॥ धकार्य
कृत्वा ॥ गात्रज्ञानधाय ॥ उलूनयायमूमात्र ॥ कृत्वा ज्यकृत् ॥ मषन ॥ विम
कृत्वा यायुषः ॥ उलूनयाहनः ॥ पुलिहात्रयहनः ॥ मसिधन ॥ २ ॥
दयय ॥ कृत्वा हाकार्य ॥ गायीन्यामाकृत् ॥ सुनात्रययुषः ॥ भास्यवटमवि
खयव ॥ सुनात्रययुषः ॥ अथसिद्धिइयुषः ॥ समाषयुषः ॥ ४ ॥ दद
॥ धकार्य सिद्धि ॥ लिङ्गयथात्राविमेषय ॥ धसायुषायमूमात्र ॥ सख

१३

आशा मरुकाधि

ASHA ANCHORS

608

I